

18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

**"मीठे-मीठे सर्विसएबुल बच्चे - ऐसा कोई भी काम नहीं करना जिससे सर्विस में कोई भी विघ्न पड़े"**



**प्रश्न:- संगमयुग पर तुम बच्चों को बिल्कुल एक्यूरेट बनना है, एक्यूरेट कौन बन सकते हैं?**



**उत्तर: 1. जो सच्चे बाप के साथ सदा सच्चे रहते हैं, अन्दर एक, बाहर दूसरा - ऐसा न हो।**

**2. जो शिवबाबा के सिवाए और बातों में नहीं जाते हैं।**

**3. हर कदम श्रीमत पर चलते हैं, कोई भी गफलत नहीं करते, वही एक्यूरेट बनते हैं।**

**गीत:- बचपन के दिन भुला न देना.....** [Click](#)

**ओम् शान्ति। मीठे-मीठे रूहानी बच्चों ने गीत के दो अक्षर सुने यह तो निश्चय करते हो - बेहद का बाप अभी बेहद सुख का वर्सा दे रहे हैं। ऐसे बाप के हम आकर बच्चे बने हैं तो बाप की श्रीमत पर**

**Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.**

18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन



भी चलना है। नहीं तो क्या होगा! अभी-अभी हंसते

हो, कहते हो हम महाराजा महारानी बनेंगे और

अगर हाथ छोड़ दिया तो फिर जाकर साधारण

Mind very well...

प्रजा बनेंगे। स्वर्ग में तो जरूर आर्येंगे। ऐसे भी नहीं

सब स्वर्ग में आने वाले हैं। जो सतयुग त्रेता में आने

वाले होंगे, वही आर्येंगे। सतयुग और त्रेता दोनों को

मिलाकर स्वर्ग कहा जाता है। फिर भी जो पहले-

पहले नई दुनिया में आते हैं वह अच्छा सुख पाते हैं

बाकी जो बाद में आने वाले हैं वह कोई आकर

ज्ञान नहीं लेंगे। ज्ञान लेने वाले सतयुग त्रेता में

आर्येंगे। बाकी आते ही हैं रावण राज्य में। वह

थोड़ा सा सुख पा सकेंगे। सतयुग त्रेता में तो बहुत

सुख है ना इसलिए पुरुषार्थ करके बाप से बेहद

सुख का वर्सा पाना चाहिए और यह महान

खुशखबरी लिखो - कार्डस जो छपवाते हैं उसमें

भी यह लिखना चाहिए - ऊंच ते ऊंच बेहद के बाप

की खुशखबरी। प्रदर्शनी में तुम दिखाते हो नई

दुनिया कैसे स्थापन होती है। तो यह क्लीयर और

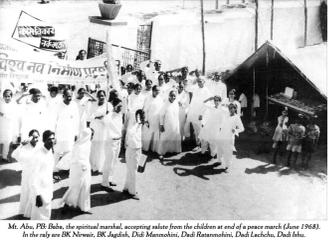
बड़े अक्षरों में लिखना चाहिए। बेहद का बाप ज्ञान

का सागर, पतित-पावन, सद्गति दाता गीता का

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

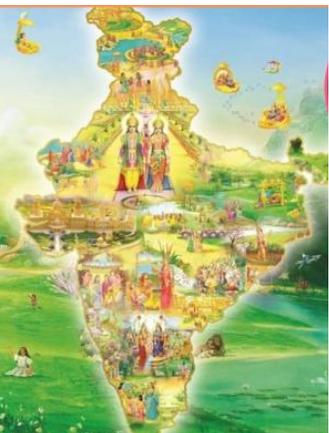


M. Alia, P.B. Baba the spiritual master, accepting salute from the children at end of a peace march (June 1962). In the row are BK, Niranjan, BK, Angadik, Dadi Manmohanji, Dadi Ramnandanji, Dadi Lachchi, Dadi Jaha.

भगवान शिव कैसे ब्रह्माकुमार कुमारियों द्वारा फिर से कलियुगी सम्पूर्ण विकारी, भ्रष्टाचारी पतित दुनिया को सतयुगी सम्पूर्ण निर्विकारी पावन श्रेष्ठाचारी दुनिया बना रहे हैं। वह खुशखबरी आकर सुनो अथवा समझो।<sup>कृ</sup> **गवर्नमेन्ट से भी**

**तुम्हारी यह प्रतिज्ञा है कि** हम भारत में फिर से सतयुगी श्रेष्ठाचारी 100 प्रतिशत पवित्रता सुख-शान्ति का दैवी स्वराज्य कैसे स्थापन कर रहे हैं और इस विकारी दुनिया का विनाश कैसे होगा सो आकर समझो। **ऐसा क्लीयर लिखना चाहिए।**

**कार्ड में ऐसे लिखो जो** मनुष्य अच्छी रीति समझ सकें।<sup>66</sup> यह प्रजापिता ब्रह्माकुमार कुमारियाँ कल्प पहले मिसल ड्रामा प्लैन अनुसार **परमपिता परमात्मा शिव की श्रीमत पर** सहज राजयोग और पवित्रता के बल से, अपने तन-मन-धन से भारत को ऐसा श्रेष्ठाचारी पावन कैसे बना रहे हैं, **सो आकर समझो।**<sup>99</sup> **क्लीयर करके कार्ड में छपाना चाहिए,** **जो** कोई भी समझ जाए। **यह बी.के. शिवबाबा की मत पर रामराज्य स्थापन कर रहे हैं,** जो **गांधी जी की चाहना** थी। **अखबार में भी ऐसा**



Points: **ज्ञान** **योग** **धारणा** **सेवा** **M.imp.**

18-03-2026



मधुबन



फुल निमन्त्रण पड़ जाए। यह जरूर समझाना है कि प्रजापिता ब्रह्माकुमार कुमारियाँ अपने तन-मन-धन से यह कर रहे हैं। तो मनुष्य ऐसा कभी न समझें कि यह कोई भीख वा डोनेशन आदि मांगते हैं। दुनिया में तो सब डोनेशन पर ही चलते हैं। यहाँ तुम कहते हो कि हम बी.के. अपने तन-मन-धन से कर रहे हैं। वह खुद ही स्वराज्य लेते हैं तो जरूर अपना ही खर्चा करेंगे। जो मेहनत करते हैं उनको ही 21 जन्मों के लिए वर्सा मिलता है। भारतवासी ही 21 जन्मों के लिए श्रेष्ठाचारी डबल सिरताज बनते हैं। यह लक्ष्मी-नारायण डबल सिरताज हैं ना। अभी तो कोई ताज नहीं रहा है। तो यह अच्छी रीति समझाना पड़े। बाप समझाते हैं ऐसे-ऐसे लिखो तो बिचारों को मालूम पड़े कि बी.के. क्या कर रहे हैं। बड़ों का आवाज होगा तो फिर गरीबों का भी सुनेंगे। नहीं तो गरीब की कोई बात नहीं सुनते। साहूकार का आवाज झट होता है। तुम सिद्ध कर बतलाते हो हम खास भारत को स्वर्ग बनाते हैं। बाकी सबको शान्तिधाम में भेज देंगे। समझाना भी ऐसे है। भारत 5 हजार वर्ष पहले



: ज्ञान योग



M.imp.

18-03-2026 प्रातःमुरली ओ  "बापदादा" मधुबन

ऐसा स्वर्ग था। अभी तो कलियुग है, वह सतयुग था। अब बताओ सतयुग में कितने आदमी थे। अभी कलियुग का अन्त है। यह वही महाभारत महाभारी लड़ाई है। और कोई समय तो ऐसी लड़ाई लगी ही नहीं है। यह भी थर्ड वार पिछाड़ी को हुई है। ट्राई करते हैं ना। अब तो एटॉमिक

बॉम्बस बनाते रहते हैं। किसकी भी सुनते नहीं हैं।

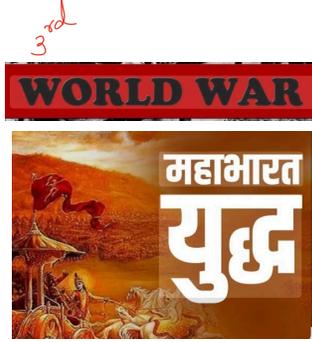
वह कहते हैं जो बॉम्बस बनाये हुए हैं वह सब समुद्र में डाल दो तो हम भी नहीं बनायें। तुम रखो और हम न बनायें यह कैसे हो सकता। परन्तु तुम

बच्चे जानते हो यह तो भावी बनी हुई है। कितना भी उन्हों को मत दें, समझेंगे नहीं। विनाश न हो तो राज्य कैसे करेंगे। तुम बच्चों को तो निश्चय है ना।

संशय बुद्धि जो हैं वह भागन्ती हो जाते हैं, ट्रेटर बन जाते हैं। बाप का बनकर फिर ट्रेटर नहीं बनना

है। तुमको तो याद करना है शिवबाबा को और बातों से क्या फायदा। सच्चे बाप के साथ सच्चा बनना है। अन्दर एक बाहर में दूसरी रखेंगे तो अपना पद भ्रष्ट कर देंगे। अपना ही नुकसान करेंगे। कल्प-कल्पान्तर के लिए कभी भी ऊंच पद

Points: ज्ञान m.m.m....imp. धारणा सेवा M.imp.



How Great we are...!



पा नहीं सकेंगे इसलिए इस समय बहुत एक्क्यूरेट

बनना है। कोई ग़फ़लत नहीं करनी चाहिए।

जितना हो सके श्रीमत पर रहना है। निरन्तर याद

तो पिछाड़ी में रहेगी। सिवाए एक बाप के और

कोई की याद न रहे। गाया हुआ भी है अन्तकाल

जो स्त्री सिमरे... जिसमें मोह होगा तो वह याद आ

पड़ेगी। आगे चल जितना तुम नज़दीक आते

जायेंगे, साक्षात्कार होता जायेगा। बाबा हर एक

को दिखायेंगे तुमने ऐसा-ऐसा काम किया है। शुरू-

शुरू में भी तुमने साक्षात्कार किये हैं। सज़ायें जो

भोगते थे वो बहुत ही चिल्लाते थे। बाबा कहते हैं

तुमको दिखलाने के लिए इनकी सौगुणी सज़ायें

कटवा दी।

Point to ponder

Take it Seriously..

Coming soon...



Most imp

Point to be Noted



तुम बच्चों को अभी ऐसा काम नहीं करना है जो

बाबा की सर्विस में विघ्न पड़े। पिछाड़ी में भी सब

तुमको साक्षात्कार होंगे। ऐसे-ऐसे तुमने बाप की

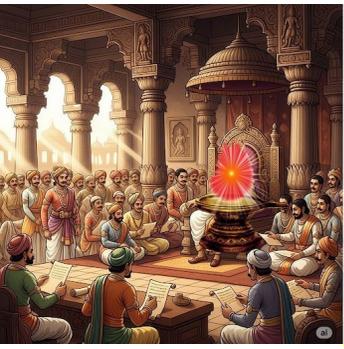
सर्विस में विघ्न बहुत डाल नुकसान किया है।

आसुरी सम्प्रदाय हैं ना। जिन्होंने विघ्न डाले हैं

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Attention Please..!

18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन



राम दुआरे तुम रखवारे  
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ।



3<sup>rd</sup> most powerful  
Hence, Be Alert All the time



उनको बहुत सजा मिलती है। शिवबाबा की बहुत बड़ी दरबार है। राइटहैण्ड में धर्मराज भी है। वह हैं हद की सजायें। यहाँ तो 21 जन्म का घाटा पड़ जाता है, पद भ्रष्ट हो जाता है। हर बात में बाप समझाते रहते हैं। तो ऐसे कोई न कहे कि हमको पता नहीं था इसलिए बाबा सब सावधानी देते रहते हैं। देखते हैं हर एक सेन्टर में कितने भागन्ती होते हैं। तंग करते हैं। विकारी बन जाते हैं। स्कूल में तो पूरी रीति पढ़ना चाहिए। नहीं तो क्या पद पायेंगे। पद का बहुत फर्क पड़ जाता है। जैसे यहाँ दुःखधाम में कोई प्रेजीडेंट है, कोई साहूकार है, कोई गरीब है वैसे वहाँ सुखधाम में भी पद तो नम्बरवार होंगे। जो रॉयल बुद्धिवान बच्चे होंगे, वह बाप से पूरा वर्सा लेने की कोशिश करेंगे। माया की बाक्सिंग है ना। माया बहुत प्रबल है हार जीत होती रहती है। कितने आते हैं फिर ट्रेटर बन चले जाते हैं। चलते-चलते फेल हो जाते हैं। बहुत कहते हैं यह हो कैसे सकता। यह तो कभी नहीं सुना कि गृहस्थ व्यवहार में रहते पवित्र रह सकते हैं। अरे भगवानुवाच है ना - काम महाशत्रु है। गीता में भी

25/03/2025

बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? ड्रामा है फिर उनमें जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है?

ज्ञान

योग

धारणा

सेवा

M.imp.

② शिवबाबा। और फिर रावण। आधाकल्प है राम राज्य, आधाकल्प है रावण राज्य। घड़ी-घड़ी बाप



18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

यह अक्षर है ना। तुम जानते हो सतयुग में हैं

दैवीगुणों वाले मनुष्य और कलियुग में हैं आसुरी

अवगुणों वाले। आसुरी गुणों वाले दैवी गुण वालों

की महिमा गाते हैं। कितना फ़र्क है। अभी तुम

समझते हो हम क्या थे, क्या बन रहे हैं। यहाँ

तुमको सब गुण धारण करने हैं। खान-पान आदि

भी सतोगुणी खाना है। देखना है देवताओं को क्या

खिलाते हैं। श्रीनाथ द्वारे में जाकर देखो - कितने

माल अथवा शुद्ध भोजन बनता है। वहाँ हैं ही

वैष्णव। और वहाँ जगन्नाथ पुरी में देखो क्या

मिलता है? चावल। वहाँ है वाम मार्ग के बहुत गन्दे

चित्र। जब राजाई थी तो 36 प्रकार के भोजन

मिलते थे। तो श्रीनाथ द्वारे में बहुत माल बनते हैं।

पुरी और श्रीनाथ का अलग-अलग है। पुरी के

मन्दिर में बहुत गन्दे चित्र हैं, देवताओं की ड्रेस में।

तो भोग भी विशेष चावल का लगता है। उसमें घी

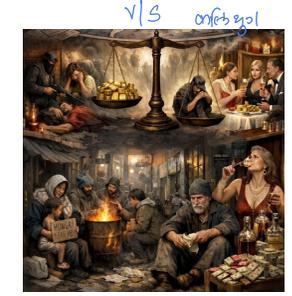
भी नहीं डालते। यह फ़र्क दिखाते हैं। भारत क्या

था फिर क्या बन गया। अभी तो देखो क्या हालत

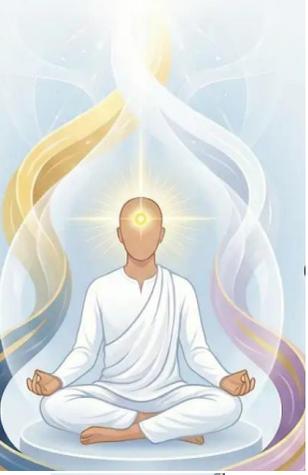
है। पूरा अन्न भी नहीं मिलता है। उन्हीं के प्लैन

और शिवबाबा के प्लैन में रात दिन का फ़र्क है।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



समझा?



वह सब प्लैन मिट्टी में मिल जायेंगे। नेचुरल कैलेमिटीज होगी। अनाज आदि कुछ नहीं मिलेगा, बरसात कहाँ देखो तो बहुत पड़ती। कहाँ बिल्कुल पड़ती नहीं। कितना नुकसान कर देती है। इस समय तत्व भी तमोप्रधान हैं तो बरसात भी उल्टे सुल्टे टाइम पर पड़ती रहती है। तूफान भी तमोप्रधान, सूर्य भी तपत ऐसी करेंगे जो बात मत पूछो। यह नेचुरल कैलेमिटीज ड्रामा में नूँध हैं। उन्हीं की है विनाश काले विप्रीत बुद्धि। तुम्हारी है बाप के साथ प्रीत बुद्धि। अज्ञान काल में भी सपूत बच्चों पर माँ बाप का प्यार रहता है इसलिए बाबा कहते भी हैं नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार यादप्यार... जितना-जितना सर्विस करेंगे... खिदमत तो करनी है ना। भारत की खास और दुनिया की आम, भारत को स्वर्ग बनाना है। बाकी सबको भेज देना है शान्तिधाम। भारत को स्वर्ग का वर्सा मिलता है, बाकी सबको मुक्ति का वर्सा मिलता है। सब चले जायेंगे। हाहाकार के बाद जयजयकार हो जायेगा। कितना हाहाकार मचेगा। यह है ही खूने नाहेक खेल। नेचुरल कैलेमिटीज भी आयेंगी। मौत तो



सबका होना ही है। *No one can stop.*



बाप बच्चों को समझाते हैं पूरा पुरुषार्थ कर लो।

बाप के साथ सदैव फरमानबरदार, वफादार बनना

है। सर्विसएबुल बनना है। जिन्होंने कल्प पहले

जैसी सेवा की है, उनका साक्षात्कार होता रहेगा।

तुम साक्षी हो देखते रहेंगे। तुम अभी स्वदर्शन

चक्रधारी बने हो। सदैव बुद्धि में स्वदर्शन चक्र

फिरता रहना चाहिए। हमने 84 जन्म ऐसे-ऐसे

लिए हैं। अभी हम वापिस घर जाते हैं। बाप भी

याद रहे, घर भी याद रहे, सतयुग भी याद रहे।

सारा दिन बुद्धि में यही चिंतन करना है। अभी हम

विश्व का महाराजकुमार बनेंगे। हम श्री लक्ष्मी वा

श्री नारायण बनेंगे। नशा चढ़ना चाहिए ना। बाबा

को नशा रहता है। बाबा रोज़ इस (लक्ष्मी-नारायण

के) चित्र को देखते हैं, अन्दर में नशा रहता है ना।

बस कल हम जाकर यह श्रीकृष्ण बनेंगे। फिर

स्वयंवर बाद श्रीनारायण बनेंगे। तत्त्वम्। तुम भी तो

बनेंगे ना। यह है ही राजयोग। प्रजा योग है नहीं।

आत्माओं को फिर से अपना राज्य भाग्य मिलता

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



Experience of Sweet Brahma baba



राजयोग  
आत्मा और परमात्मा के बीच  
का सच्चा संबंध

18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

है। बच्चों ने राज्य गँवाया था। अब फिर राज्य ले रहे हैं। बाबा यह चित्र आदि बनाते ही इसलिए हैं कि तुम बच्चों को देखकर खुशी हो। 21 जन्म के

लिए हम स्वर्ग का राज्य भाग्य पा रहे हैं। कितना

सहज है। यह शिवबाबा, यह प्रजापिता ब्रह्मा इन द्वारा यह राजयोग सिखलाते हैं। फिर हम यह

जाकर बनेंगे। देखने से ही खुशी का पारा चढ़

जाता है। हम बाप की याद में रहने से विश्व का

राजकुमार बनेंगे। कितनी खुशी रहनी चाहिए। हम

भी पढ़ रहे हैं, तुम भी पढ़ रहे हो। इस पढ़ाई के

बाद हम जाकर यह बनेंगे। सारा मदार पढ़ाई पर

है। जितना पढ़ेंगे उतना कमाई होगी ना। बाबा ने

बतलाया है कोई सर्जन तो इतने होशियार होते हैं

जो लाख रूपया भी एक केस पर कमाते हैं।

बैरिस्टर्स में भी ऐसे होते हैं। कोई तो बहुत कमाते

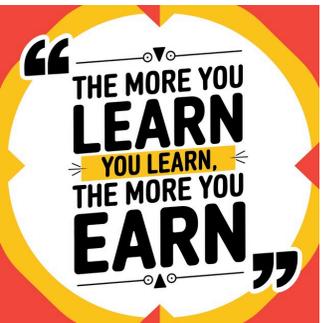
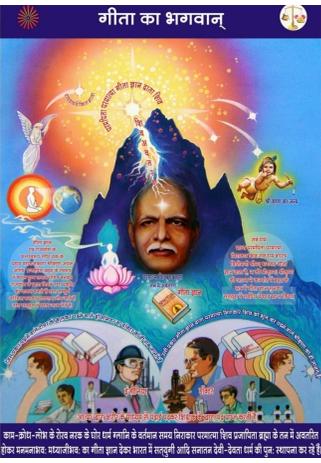
हैं, कोई को देखो तो कोट भी फटा हुआ पड़ा

होगा। यह भी ऐसे है इसलिए बाबा बार-बार कहते

हैं बच्चे, कोई भी ग़फलत नहीं करो। सदैव श्रीमत

पर चलो। श्री श्री शिवबाबा से तुम श्रेष्ठ बनते हो।

तुम बच्चों ने बाप से अनेक बार वर्सा लिया है और



श्रीमत से श्रेष्ठ पद,  
मनमत से पद भ्रष्ट।

18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

गँवाया है। 21 जन्मों का वर्सा आधाकल्प के लिए मिलता है। आधाकल्प 2500 वर्ष सुख पाते हो।

अच्छा!



मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।



धारणा के लिए मुख्य सार:-



1) अन्दर बाहर सच्चा रहना है। पढ़ाई में कभी भी ग़फलत नहीं करना है। कभी भी संशय बुद्धि बन पढ़ाई नहीं छोड़नी है। सर्विस में विघ्न रूप नहीं बनना है।



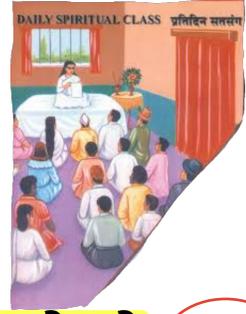
2) सबको यही खुशखबरी सुनाओ कि हम पवित्रता के बल से, श्रीमत पर अपने तन-मन-धन के सहयोग से 21 जन्मों के लिए भारत को श्रेष्ठाचारी डबल सिरताज बनाने की सेवा कर रहे हैं।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

18-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन



वरदान:- सदा पुण्य का खाता जमा करने और कराने वाले मास्टर शिक्षक भव



Swamaan



हम मास्टर शिक्षक हैं, मास्टर कहने से बाप स्वतः याद आता है। बनाने वाले की याद आने से स्वयं निमित्त हूँ - यह स्वतः स्मृति में आ जाता है।

विशेष स्मृति रहे कि हम पुण्य आत्मा हैं, पुण्य का खाता जमा करना और कराना- यही विशेष सेवा है।



पुण्य आत्मा

Characteristics of

पुण्य आत्मा कभी पाप का एक परसेन्ट संकल्प मात्र भी नहीं कर सकती।

Not even in a thought  
विल्कुल भी पाप का संकल्प

Definition of

मास्टर शिक्षक माना सदा पुण्य का खाता जमा करने और कराने वाले, बाप समान।



संगठन में शक्ति

स्लोगन:- संगठन के महत्व के जानने वाले संगठन में ही स्वयं की सेफ्टी का अनुभव करते हैं।



Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये अव्यक्त इशारे-

**"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर**

**सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"**



हुए पेश सामने रावण के, बोले सभा के बीच में "राम की जय" सारे महल में मच गया कोलाहल, बोला "कौन ये जिसको ना तनिक भी भय"

[Click](#)



**Litmus test**

जो जितना निश्चयबुद्धि होगा उतना ही सभी बातों में विजयी होगा। निश्चयबुद्धि की कभी हार नहीं होती।

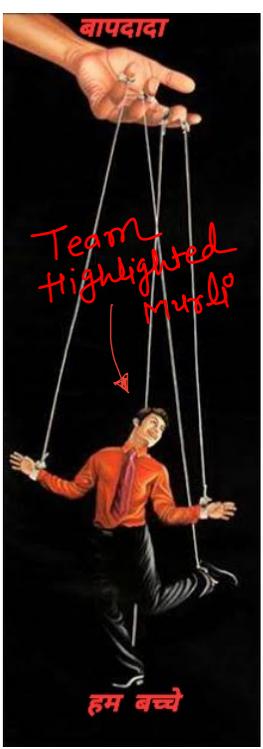
हार होती है तो समझना चाहिए कि निश्चय की कमी है।

**Swamaan**

निश्चयबुद्धि विजयी रत्नों में से हम एक रत्न हैं, ऐसे अपने को समझना है।

कोई भी विघ्न आए तो उनको पेपर समझ पास करना है।

बात को नहीं देखना है लेकिन पेपर समझ पास होना है।



ओम शांति,

30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते है ? (अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुझाव एवं प्रतिभाव हमे आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते है। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए है)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में बल मिल सकें ।

शुक्रिया, ओम शांती।

Team Highlighted Murli

[Link of Google Form ==>](#)

[Click](#)



पिछले साल बहुत से अनुभव प्राप्त हुए थे उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे है जो आपको खुशी एवं आपके पुरुषार्थ में बल भरेंगे

"Highlights Murli मुझे सदा सामने रहने से बाबा के श्रीमत सदा साथ रहने का अनुभव होता . Point पडने से खुशी का पारा सदा ही चढा रहता है साथ साथ Highlight होने से चारा ही subject के मुरली में से मुख्य point सदा याँद रहते है"  
— BK Sachin ज्ञान में- 23 Year From:- Pune Maharashtra

I love reading highlighted murli. It explains with example and small pictures which is very helpful  
— Gayatri Sharma ज्ञान में - 5 years From: Winnipeg, Canada, Manitoba

I have seen improvement in my Purusharth due to understanding murli points through this diagrammatic form of Baba's letter. It is very interesting and powerful technique to remember murli points throughout the day.  
—Asha savlani ज्ञान में-30 years From:- Pune Maharashtra

Om Shanti bhai ji, m UPSC ki preparation kr rhi hu, murli pdhna usme imp. Kya h ye smjhna bhut muskil hota tha starting m , but jb se aapki highlited murli pdhne lgi hu ...murli k points bhi yaad rhete h.....aur jo picture add kr dete h aap ,usse toh murli k imp. Point ko yaad rkhnna bhut easy ho jata h.....aise hi easy way m murli laate rhtie...bhai ji thnx ....shiv baba bless u...  
---BK Neetu ज्ञान में- 2(seriously from 6 month) From: Pratapgarh Uttar Pradesh

"हर हाईलाइट कलर से किस को भी आसान तरीके से समझा सकते है, ओर ज्ञान, योग, धारणा, सेवा, अच्छी तरह समझ आती है. एसली ऐ बहुत ही सुंदर सेवा कर रहे है."  
—Bk Rohit b langhnoja ज्ञान में-16 years From:- Surendranagar; Gujarat

Amazing seva baba has given yiu!! Every soul must be showering you with so much love n blessings and Bab bhi bahut khush hote honge  
-- Neha khandelwal ज्ञान में-Bachpan se From: Kanpur Uttar Pradesh

"Aap bahot achi seva kr rhe h. M aapki hi pdf se murli padhti hu. Or jo photos, songs, clips dalte ho usse bahot acha clear hota h. Please Continue doing the work. Thank you Baba Om shanti 🙏"  
---Priya Saini ज्ञान में- 4 mahine From:- Rajasthan, Jhunjhunu ,gyan Jaipur devi nagar centre se lia

purusharth me tivrata aati aati he... bahut accha he mere liye... padhne me bhi clerity rahti he... yad bhi acchi tarah raheta he... good job kar rahe ho... chalu rakhna...  
— Modi Minal ज्ञान में- 45 years From:- Ahmedabad, Gujarat

This highlighted Murli helps a lot to understand and seek the knowledge, specifically for the new comers like me those don't take regular classes at centre. I did online Rajyoga course in 2018 and again at centre in 2024. This is a great initiative. Thank you so much. Om Shanti 🙏  
— Raveena Batra ज्ञान में - 6 year From: Sonipat, Haryana

"Dear team, Om Shanti. Its eadg to remember murli through picture format. Much appreciated thank you so much."  
— A. Suryasree ज्ञान में-15 yrs From:- Sheffield UK

"You are doing Very unique Service. Murli become very easy to understand with illustrations and highlighted points of GYDS I share it even to my class matas and show them the illustrations while read Murli in class. All Godly students taking benefit to understand and remember Murli points. I feel this is Baba's very Special service by special quality souls. Heartiest Blessings Blessings and Blessings 🙏🙏 Om Shanti "  
—BK Meena Bharti ज्ञान में- 23 years From:- Ghumarwin, Himachal Pradesh

"It is very interesting to read this highlighted Colourful Murli with lots of pictures and important informations along with this. Emojis used are also very useful to understand the emotions.. love to read it ❤️ Extremely thankful to all of you for the efforts... bahut dhanyawad 🙏🙏❤️❤️"  
— Manju Sharma ज्ञान में- 6yrs. From:- Rewari Haryana

Om Shanti, I came into gyan in 1981 in Kenya where I am born. My yugal was first. As Baba says charity begins at home, we also introduced my lokiks to knowledge and we all started following Baba's knowledge. I started reading the highlighted Murli quite a number of years ago when both the Hindi & English were done from the same portal. I find it easy to read because of the large fonts. Also highlighting the 4 subjects makes it easy to revise after having heard the Murli on line as I do in Nairobi. As I cannot remember all the Murli points because of age ( 83yrs) I like the main ones which marked. I try to keep one or two in mind throughout the day and also look at the highlighted Murli at every opportunity. I think you are doing wonderful service particularly for older gyani souls. Please continue the good work and I wish you the best. Another point I forgot to mention is the photos that you show beside the text. It makes remembering that particular point easy to recall. Also the points that are written from your own churning of the knowledge are useful.  
IBY  
BK DINKER  
NAIROBI CENTRE.

I AM IN GYAN AT THE AGE OF 12 YEARS I ALWAYS WANT TO EXPLAIN THE MURLI WITH WORLD EXAMPLE LIKE IF BABA SAID COMPANY MATTERS ALOT THEN I TRY TO FIND OUT ON THE GOODLE WHAT GREAT PERSONALITY LIKE KABIR DAS , GANDHI JI AND OTHERS SAID ABOUT IT BUT WHILE STUDYING THE MURLI THROUG HIGHTED POINTS BABA HELPS ME ALOT .  
YEAH NAA SIRF MUJH KUMMARI ME GYAN KA NASA BHARTA HAI BALKI JB MAE MURLI CLASS ME SUNATI HU TOH BAKI AATMAO KO BHI MAZA AATA HA.  
#MURLI #PICUTURES OF SATYUG #EXAMPLES #NEW METHOD AND UNIQUE MENTHOD OF SEWA  
THANK TO SHIV BABA

--ARCHANA KUMARI ( SHAKTI BEHAN) ज्ञानमें- 15 years From - HAZIPUR BIHAR

gita Pathshala me baba ne seva di to ye mere liye ek sundar saugat hai samzane ke liye dil se shubh kamna shubh bhavna deti hu aap ke bhehtarin se ke liye baba yaisi hi seva last tak aap se karvayega ji 🙏



-- Bk suchitra Bhawsar ज्ञान में- 11 years. from: Durg 36garh

OM SHANTI...Its informative and interesting to read BABA's MURLI in colored format as lot of related pictures ,information and attention points sometimes funny pictures are there, this help us to remember Murli. Since i am working as Professor in Medical College ,in the morning i read black and white, and afternoon apne department mein... jab hum detail mein samajhte hain to highligted colored murli read karte hain, baba ke naye bachche unko bhi jab murli sunate hain to colored hi dikhate hain to unko samajhne mein easy rahta hai....LOT OF THANKS TO SHIIV BABA and TEAM...dil se shukriya and blessings!!!!!!

-- Reema kumari gyan- 11 years from- Lucknow Uttar Pradesh

Highlights helps to categorize 4 subjects

-Poonam Gujral ; gyan: 32 years, from San Francisco, USA

High lighted Murli high lights are Pictures, under lines, high lighting points with colors also points taken from other stories like Kabir das and scriptures etc. High lighted murlis helps to remember murli very well gives an entertainment of study rather then boring. High lighted murli Increases murli sweetness helps to understand deeper points makes our Yog powerful. Thank you for all efforts and team for doing such a wonderful job. Dil sa Shukriya

--Bk Goutham , gyan- 20 years, from- Farmington Hills, Michigan, USA

Highlighted Murli helps understand the main points. The Pictures put in helps to remember the points throughout the day. It works wonders in our mind to remember anytime in the day. Now Murli points cannot be forgotten due to Highlighted Murli group's commendable efforts.

-- BK Mandar Tamhankar Gyan: 20 years from- Pune , Maharashtra

Hilighted murli se muz atma ko bahut fayda hua hai. Thanks. Thanks to baba and nimitta bane hilighted murli team members. Isme diye gaye points aur references, explanation, inke dwara baba muze purushrth me aage badha rahe hai. Daily murli ka itna abhyas karke muz atma ko murli ki achi samaz milti hai...isse murli points yad rahane me bhi aasani hoti hai

Susmita Rao. gyan- 13 years from- Mumbai

High lighted मुरली से main पॉइंट्स को जानने समझने में बहुत ही मदद मिलती है खास करके चारों सब्जेक्ट ज्ञान, योग, सेवा, धारणा के बाबा के महावाक्य को बड़े आसानी से मालूम हो जाता है जिनको मनन करने में सहायता मिलती है... वाक्य में यें आपका बहुत ही सराहनीय कार्य है व बहुत ही नये तरीके की सेवा है, बाबा से प्रार्थना है यह गुप दिन दुगनी प्रगति करता रहे। ओमशान्ति 🙏🙏

Bk Suresh gyan-35 years , from - palwal, haryana

हायलाईट मुरली पढने से मेन पॉईट ज्ञान योग धारणा सेवा की बुद्धी मे बैठती है पॉईट्स से रिलेटेड फोटो जो होते है उसे वह पॉईट ध्यान मे रहती है ओम शांती 🙏🌟

-- Sangita Udakhe, gyan- 20 years, from - Yavatmal, Maharashtra

Highlighted Murli se easy ho jata hai . Important points yaad karne mein easy hota . Murli bhi achi tarah samajh ati hai . Jo song ke link main madhuban murli m nahi hota woh highlighted murli m mil jata hai . Sujhav yeh hai ki murli m jo kahawatey ati hai unko pura complete karke jarur bheje n jo kahani baba example dete hai uska link bhej de taki hum us kahani ko padh sake agar nahi maloom ho toh . Thank you very much , great service you are doing . Baba bless the team .

-- Ritu Chawla, gyan- 7 years, from - kuvait, gulf country

From very long time I am visiting this site for murli and other sewa and also seen Highlighted murli but from sometime I am regularly referring Highlighted murli. The team is really doing good job and its very easy to remember the murli points. The hyperlinks, Pictures, written text with experience sharing and legends at the bottom of every page make it a proper formal document. Its really looks like a professionalism in spirituality.

Congratulations. :-)

– HRISHEESHWAR KAUSHIK. Gyan:from childhood From:Delhi, Shahdara

Highlighted Murali made to understand easily the four subjects Gyan Yog Dharana aur sewa. Pictures also connects fast, what baba wanted to tell us. Thanks baba thanks team.

– Sulckshna Saidha gyan:15 years From: Dehradun Uttarakhand

Om shanti, mein pichle 4 saal se highlighted murli padhti hu, mujhe bahut achha lagta h ise padhna. Isme jo emoji hote h unhe dekhkar murli ka point easily yaad bhi rehta h aur ek emotion bhi jud jata h uske saath, murli me jo link diye hote h vo bhi bahut useful hote h.

Mera ye suggestion h ki abhi baba ne sunday ki murli k vardan me kaha ki jab vinashkal bhulta h to hum albele ho jate h, to vinashkal par chali murli k pages ya link bhi daily murli k saath dale jae jisse hum alert rahe. Sister BK kusum aur unki team ka aur Baba ka bahut bahut shukriya 🙏😊😊 om shanti

– Manju Sharma ;Gyan:6yrs.; From:- Rewari Haryana

Dear Team - Highlighted murali helped a lot. Everyday i will be so excited to read in this highlighted form, its very easy to understand, remember, Dharna. Pictures helps a lot for memorising. I am able to tell Murali points easily. This has helped me in driving my attention and interest for Murali. I request the team to please continue. Om Shanti

– Lalitha; Gyan- 7 years Bangalore, From:- Hosa road, Karnataka

It reminds me of my medical study days, I used to study like this. Hlghlighting and writting in pointwise manner makes murali easy to remember. Colour codes distinguish between all four subsets of murali like Gyan, yog, dharana and seva. Pictorials help to relate and memorise it better. Colourful highlights make it very attractive. Great efforts by team. Shukriya BABA

–Kumud ; gyan:-चार साल From:- Mumbai, Maharashtra

bahut sarl shaj tarki se yad karne me help milta hai

sabhi time members ko tahe dil se sukriya 🙏 sukriya methe baba💕

– narendra gyan :-16 years From:- seoni Madhya Pradesh

मुझे हाइलाइट मुरली बहुत अच्छी लगती है चित्रों के द्वारा मुरली अच्छी तरह समझ में आती है और मुरली के पॉइंट्स अच्छी तहत याद आती

--- Asha devda Gyan:- 7 year; From:- Jhalawar Rajasthan

बड़े अक्षर पढ़ने में सरल लगता है और आपके pictures और extra points को नोट करते हैं

Life is Drama

The World is a stage

Men are actors

God is the creator, Director & Principal Actor

इसमें सारा ज्ञान समा हुआ है। दूसरों को इससे समझाने की कोशिस कर रहा हूँ.

पर मुझे अभी तक एक बात समाज में नहीं आ रहा है की आप चारो subjects को कैसे अलग कर highlight करते हो

Thank you, keep it up

--- Shivkesh; Gyan:- 4 years from:- HyderabadTelangana

Your picturesque according to the meaning of the word or the context and your remarks such as "point to be noted, Wah wah, wah baba wah, self checking, simple logic, be prepared, mind very well, how great are we and so on....." Some Slokas, quotes from devotional scriptures are promoting a great deal of understanding and interest in reading Murli with its actual meaning according to its context. Thanks 🙏 for your Godly service for all seekers of knowledge.  
Omsanthi.

Bk Narasimhulu Somisetty; ज्ञान में: 25 years;  
From: Sathupally; Khammam  
district Telangana

I like all the photos attached as you remembers the main points of Murli and you get the feel of what Baba is trying to tell us. It also gives us intoxication.

Yogesh Kumar  
Gyan: 4 years, From:- Coventry, West Midlands  
UK, England (UK)

It's very helpful to highlight Murlis with pictures to enhance understanding, especially when Baba explains places, things, etc. In the Avyakt Murlis, when Baba speaks to the Dadis, it's wonderful to see their pictures and know which Dadi Baba is referring to. It's a great effort by all of you! Every day, I feel excited to read the colorful Murlis. Thanks to Baba's children for the great job! 🙏🙏

Balbir kaur ; ज्ञान में: 12 years; From:  
Sacramento California USA

ओम शांति

हाइलाइटेड मुरली इंस्टेंट ज्ञान खजाना है जिसमें मुझ आत्मा को मुरली के सही दिशा में चिंतन मनन में सहयोग मिलता है

आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद है जो आप मेहनत से हम सब ज्ञान पिपासुओं को तृप्त कर रहे हैं

Bk Alok ; ज्ञान में: 18 years; From: Badaun, Uttar Pradesh

Since I started reading this murli, I am understanding Babas Gyaan better. Your click buttons, simple explanations give me lot of clarity. I don't have to listen to any other teacher. Thankful to final destination and Murli to take me forward in pursharth. Baba bless you always for this amazing seva

Rita Soman; ज्ञान में: 14yrs ; From: Pune, Maharashtra

Its very catching to mind as the pictures n highlights with colour get absorb in brain very quick. More over this beautiful effort of highlighting all the four subjects with different colour makes it very convenient to focus on the point instantly for revision. Overall its a great effort Thankyou soooo much Thankyou sweetest baba for so helpful Brahmin Parivaar 🙏

BK Riya Vij Gyan: 15 + years From:- Vaishali, Ghaziabad Uttar Pradesh

Murli se very powerful yog or pure din avstha achi reh ti hai highlight Murli bahut achi lagti hai thank you so much 🥰

Reena Mangukiya ; ज्ञान में: 4 years ; From: Surat Gujarat